विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर 2022-23

नवीन शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

SCHOOL OF STUDIES IN SANSKRIT, JYOTIRVIGYAN & VED
VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
SEMESTER-I [M.A. VEDIC STUDIES]
CBCS PATTERN

SUBJECT CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	TOTAL MARKS
	VCC-01	वैदिक साहित्य का इतिहास	5	5 Hrs.	60	40	100
	VCC-02	ऋग्वेद	5	5 Hrs.	60	40	100
	VCC-03	शुक्लयजुर्वेदसंहिता	5	5 Hrs.	60	40	100
	VEC - 01	(i) वैदिक दर्शन	5	5 Hrs.	60	40	100
	VEC - 01	(ii) धर्मशास्त्र	5	5 Hrs.	60	40	100
	VEC - 01	(iii) वैदिक ज्ञान-विज्ञान	5	5 Hrs.	60	40	100
	EDC-01	Entrepreneurship Development	4	4 Hrs.	48	32	80
	P - 01	Seminar (Practical)	2	2 Hrs.			40
	VVV - 01	Comprehensive Viva- Voce (Virtual)	4				80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE (VCC).

CORE ELECTIVE COURSE (VEC)

ABILITY ENHANCEMENT & SKILL DEVELOPMENT (AE & SD)

COMPREHENSIVE VIVA-VOCE (VVV)

नोट - १. विषय समूह VCC - 01, VCC - 02, VCC - 03 लेना अनिवार्य है।

२. विषय समूह VEC - 01 (i), VEC - 01 (ii), VEC - 01 (iii) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (प्रथम सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VCC - 01

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वैदिक साहित्य का इतिहास

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के इतिहास से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के इतिहास की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 वेद शब्द का अर्थ, महत्त्व तथा वेद विभाग ।

वैदिककाल - निर्णय - विभिन्न मत -

भारतीय परम्परागत विचार (अपौरुषेयवाद)

मैक्समूलर, ए. वेबर, एम. विन्टरनित्ज तथा लोकमान्यबालगङ्गाधरतिलक

इकाई – 2 चतुर्वेद - प्रतिपाद्य विषय, परिचय एवं वैशिष्ट्य

इकाई – 3 वेदकालीन समाज एवं संस्कृति

इकाई – 4 उपवेद तथा वेदाङ्गों का सामान्य परिचय

इकाई – 5 देवता परिचय

अग्नि, सवितृ, विष्णु, इन्द्र, रुद्र, अश्विनौ, वरुण, सोम तथा उषस्

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति – पण्डित बलदेव उपाध्याय
2. वैदिक वाङ्मय का इतिहास (भाग 1) – पण्डित भगवद्दत्त
3. वैदिक साहित्य – प्रकाशन शाखा, भारत सरकार
4. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ. गजानन शास्त्री एवं डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. वैदिक अध्ययन प्रथम सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र (द्वितीय) - VCC - 02 - ऋग्वेद

कुल अंक 60

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऋग्वेद साहित्य से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऋग्वेदीय साहित्य के वर्गीकरण, सुक्तों की व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ऋग्वेदीय साहित्य की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ऋग्वेदीय साहित्य के वर्गीकरण, सूक्तों की व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई - 1 **ऋग्वेद - सूक्त** (विकल्पसहित दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या)

1. अग्नि - 1.1
2. वरुण - 1.24

इकाई - 2 **ऋग्वेद - सूक्त** (विकल्पसहित दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या)

1. इन्द्र - 2.12
2. विष्णु - 1.154

इकाई - 3 **ऋग्वेद - सूक्त** (विकल्पसहित दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या)

1. सरमापणि - 10.108
2. पुरुरवा उर्वशी - 10.95

इकाई - 4 **ऋग्वेद - सूक्त** (विकल्पसहित दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या)

1. सवितृ - 1.35
2. अक्ष - 10.34

इकाई - 5 **ऋग्वेदभाष्य भूमिका - प्रारंभ से अनुबंध चतुष्टय तक**

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 - आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ

1. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग 1 तथा 2) - तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली तथा वाराणसी, 1979
2. ऋग्वैदिक इण्डिया - अविनाशचन्द्र दास
3. वैदिक कोष - भगवद्दत्त एवं हंसराज
4. ऋग्वेदभाष्यभूमिका - सायण, व्या.जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. वैदिक सूक्त संग्रह - डॉ. गोपालकृष्ण शुक्ल, डॉ. महेन्द्र पण्ड्या, रीना पब्लिकेशन्स, उज्जैन

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (प्रथम सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VCC - 03

प्रश्नपत्र का शीर्षक – शुक्लयजुर्वेदसंहिता

कुल अङ्क 60 (केडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को यजुर्वेदीय साहित्य से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को यजुर्वेदीय साहित्य के वर्गीकरण, सूक्तों की व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी यजुर्वेदीय साहित्य की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी यजुर्वेदीय साहित्य के वर्गीकरण, सूक्तों की व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **शुक्लयजुर्वेदसंहिता : प्रथमोऽध्यायः**
(विकल्प सहित दो मन्त्रों की व्याख्या)

इकाई –2 **शुक्लयजुर्वेदसंहिता : द्वितीयोऽध्यायः**
(विकल्प सहित दो मन्त्रों की व्याख्या)

इकाई –3 **शुक्लयजुर्वेदसंहिता : षोडशोऽध्यायः**
(विकल्प सहित दो मन्त्रों की व्याख्या)

इकाई – 4 **शुक्लयजुर्वेदसंहिता : षट्त्रिंशोऽध्यायः**
(विकल्प सहित दो मन्त्रों की व्याख्या)

इकाई –5 **श्रौत-विधान सामान्य परिचय**

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. शुक्लयजुर्वेद - महीधर, उव्वट भाष्य संवलित, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. शुक्लयजुर्वेद भाष्य – स्वामी करपात्री, धानुका प्रकाशन, कलकत्ता
3. यजुर्वेद का सुबोध भाष्य – डॉ. श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, किल्ला पारडी, जिला वलसाड, 1985
4. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग 1 तथा 2) – तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली तथा वाराणसी, 1978
5. वेदार्थपारिजात – करपात्रीजी महाराज, धानुका प्रकाशन, कलकत्ता

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (प्रथम सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VEC - 01 (i)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वैदिक दर्शन

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक दार्शनिक चिन्तन, व्याख्यापद्धति तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक दार्शनिक चिन्तन, व्याख्यापद्धति तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **वेदों में दार्शनिक चिन्तन**
(विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)

इकाई –2 उपनिषद्-दर्शन
(विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)

इकाई –3 **उपनिषदों का प्रतिपाद्य विषय**
(विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)

इकाई – 4 **उपनिषदों का व्यवहारिक चिन्तन**
(विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)

इकाई –5 **उपनिषदों के भाष्यकार**
(विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. भारतीय दर्शन - आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन -जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (प्रथम सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VEC - 01 (ii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – धर्मशास्त्र

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को धर्मशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को धर्मशास्त्रीय साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी धर्मशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी धर्मशास्त्रीय साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **धर्मशास्त्र का इतिहास**

धर्म का अर्थ, धर्मशास्त्र के विविध विषय, पञ्चमहायज्ञ, श्रौतयज्ञ,

प्रमुख स्मृतियों का परिचय।

इकाई – 2 **मनुस्मृति** - तृतीय अध्याय

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **मनुस्मृति** - सप्तम अध्याय

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **याज्ञवल्क्यस्मृति** - प्रथम अध्याय

विवाह प्रकरण, स्नातकधर्म प्रकरण, राजधर्म प्रकरण

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई –5 याज्ञवल्क्यस्मृति - तृतीय अध्याय

आशौच प्रकरण, यतिधर्म प्रकरण

विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. **धर्मशास्त्र का इतिहास** (प्रथम भाग) - पी.व्ही. काणे, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (प्रथम सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VEC - 01 (iii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वैदिकज्ञान-विज्ञान

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिकज्ञान-विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य में अन्तर्निहित ज्ञान-विज्ञान के महत्त्वशाली विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिकज्ञान-विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य में अन्तर्निहित ज्ञान-विज्ञान के महत्त्वशाली विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई - 1 **वैदिक ज्ञान-विज्ञान का स्वरूप एवं महत्त्व**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **ऋग्वेद - पुरुषसूक्त - 10.90**
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 3 **ऋग्वेद - हिरण्यगर्भसूक्त - 10.121**
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 4 **ऋग्वेद - नासदीयसूक्त 10.129**
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई - 5 **अथर्ववेद - पृथिवीसूक्त - 12 . 1**
व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. नवीन वैदिक सञ्चयनम् - भाग 1, 2, डॉ. जमुनापाठक चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. न्यू वैदिक सिलेक्शन - भाग 1, 2, तैलङ्ग एवं चौबे, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2022-23

नवीन शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

SCHOOL OF STUDIES IN SANSKRIT, JYOTIRVIGYAN & VED
VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
SEMESTER-II [M.A. VEDIC STUDIES]
CBCS PATTERN

SUBJECT CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	TOTAL MARKS
	VCC-04	वैदिक साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण	05	5 Hrs.	60	40	100
	VCC-05	ऋग्वेद	05	5 Hrs.	60	40	100
	VCC-06	यजुर्वेद	05	5 Hrs.	60	40	100
	VEC-02	(i) वैदिक कर्मकाण्ड	05	5 Hrs.	60	40	100
	VEC-02	(ii) प्रातिशाख्य	05	5 Hrs.	60	40	100
	VEC-02	(iii) वेदान्त दर्शन	05	5 Hrs.	60	40	100
	EDC-002	Communication Skills	04	4 Hrs.	48	32	80
	P - 02	Group Diss. (Practical)	02	2 Hrs.			40
	VVV - 02	Comprehensive Viva- Voce (Virtual)	04				80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE (VCC).

ABILITY ENHANCEMENT & SKILL DEVELOPMENT (AE & SD)

CORE ELECTIVE COURSE (VEC)

COMPREHENSIVE VIVA - VOCE (VVV)

नोट - १. विषय समूह VCC - 02, VCC - 03, VCC - 04 लेना अनिवार्य है।

२. विषय समूह VEC - 02 (i), VEC - 02 (ii), VEC - 02 (iii) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VCC - 04

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वैदिक साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण के सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के वर्गीकरण, भाष्य परम्परा ,वैदिकयागों के स्वरूप तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण के सिद्धान्तों सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के वर्गीकरण, भाष्य परम्परा ,वैदिकयागों के स्वरूप तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 सामवेद का प्रतिपाद्य विषय, परिचय एवं वैशिष्ट्य, अथर्ववेद का प्रतिपाद्य विषय

परिचय एवं वैशिष्ट्य, वेदभाष्यों एवं वेद भाष्यकारों का विवरण

इकाई – 2 वेदानुक्रमणी एवं वृहद्देवता ग्रन्थ का परिचय, वेदपाठ प्रणाली

इकाई – 3 शतपथ ब्राह्मण पञ्चम काण्ड - वाजपेय एवं राजसूय यज्ञ

इकाई – 4 कात्यायन श्रौतसूत्र - प्रथम अध्याय 6 - 10 कण्डिका

इकाई – 5 वैदिक व्याकरण

धातुस्वर, प्रतिपदिक स्वर, प्रत्ययस्वर तथा तिङन्तस्वरप्रकरण और स्वरसञ्चार प्रकार

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. शतपथब्राह्मण - चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. कात्यायन श्रौतसूत्र - विद्याधर शर्मा गौड, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4. सिद्धान्तकौमुदी - स्वरवैदिकी प्रकरण, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. वैदिक अध्ययन द्वितीय सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र (द्वितीय) - VCC - 05 - ऋग्वेद

कुल अंक 60

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऋग्वेद मन्त्रों के व्याख्यान से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऋग्वेद्भाष्यभूमिका की विषयवस्तु तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ऋग्वेद मन्त्रों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ऋग्वेद्भाष्यभूमिका की विषयवस्तु तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई - 1 **ऋग्वेद सूक्त - दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या**

1. उषस् - 3.61
2. संज्ञान - 10.191

इकाई - 2 **ऋग्वेद सूक्त - दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या**

1. विश्वामित्र नदी संवाद - 3.33
2. यमयमी - 10.10

इकाई - 3 **ऋग्वेद सूक्त - दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या**

1. वाक - 10.125
2. पर्यन्य - 5.83

इकाई - 4 **ऋग्वेद सूक्त - दो ऋचाओं की ससन्दर्भ व्याख्या**

1. नासदीय - 10.129
2. हिरण्यगर्भ - 10.121

इकाई - 5 **ऋग्वेदभाष्य भूमिका - अनुबंध चतुष्टय से ग्रन्थ समाप्ति तक**

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 कुल अङ्क - 100

अनुशंसित ग्रन्थ

1. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग 1 तथा 2) - तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
2. ऋग्वेदभाष्यभूमिका - सायण, व्या.जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. वैदिक सूक्त संग्रह - डॉ. गोपालकृष्ण शुक्ल, डॉ. महेन्द्र पण्ड्या, रीना पब्लिकेशन्स, उज्जैन

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VCC - 06

प्रश्नपत्र का शीर्षक – यजुर्वेद

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शुक्ल यजुर्वेदीय मन्त्रों के व्याख्यान से परिचित कराना है
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्मार्त विधानों का प्रयोग तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी शुक्ल यजुर्वेदीय मन्त्रों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी स्मार्त विधानों का प्रयोग तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **मन्त्र व्याख्या - दो मन्त्रों की ससन्दर्भ व्याख्या**
शुक्लयजुर्वेद - संहिता अष्टादशोऽध्यायः

इकाई –2 **मन्त्र व्याख्या - दो मन्त्रों की ससन्दर्भ व्याख्या**
शुक्लयजुर्वेद - संहिता एकविंशोऽध्यायः

इकाई –3 **मन्त्र व्याख्या - दो मन्त्रों की ससन्दर्भ व्याख्या**
शुक्लयजुर्वेद - संहिता चतुर्विंशोऽध्यायः

इकाई – 4 **मन्त्र व्याख्या - दो मन्त्रों की ससन्दर्भ व्याख्या**
शुक्लयजुर्वेद - संहिता चत्वारिंशत्तमोऽध्यायः)

इकाई –5 **स्मार्त विधान सामान्य परिचय**

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. शुक्लयजुर्वेदसंहिता - महीधरभाष्यसंहिता - चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. वैदिकयज्ञपरिचय - वेणीराम शर्मा गौड, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VEC - 02 (i)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वैदिक कर्मकाण्ड

कुल अङ्क 60 (केडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक कर्मकाण्ड के स्वरूप तथा मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक कर्मकाण्डीय साहित्य में निरूपित प्रयोगों के अध्ययन तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक कर्मकाण्ड के स्वरूप तथा मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक कर्मकाण्डीय साहित्य में निरूपित प्रयोगों के अध्ययन तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **कर्मकाण्डप्रदीप - परिभाषाप्रकरण (प्रारम्भ से सङ्कल्पोहविचारपर्यन्त)**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **कर्मकाण्डप्रदीप - परिभाषाप्रकरण (प्रयोगाङ्गभूतस्थलविशेष से समाप्तिपर्यन्त)**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **कर्मकाण्डप्रदीप - संस्कारप्रकरण (पञ्चाङ्गकर्म-मात्र)**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **कर्मकाण्डप्रदीप - संस्कारप्रकरण (दिग्रक्षण से अभिषेकमन्त्र पर्यन्त)**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **कुण्डमण्डपसिद्धि (सम्पूर्ण)**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. कर्मकाण्डप्रदीप - चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. कुण्डमण्डपसिद्धि - ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VEC - 02 (ii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – प्रातिशाख्य

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक प्रातिशाख्य ग्रन्थों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक प्रातिशाख्य साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक प्रातिशाख्य ग्रन्थों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक प्रातिशाख्य साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 ऋक्प्रातिशाख्य - प्रथम पटल (सूत्र 01 से 20)

इकाई –2 ऋक्प्रातिशाख्य - प्रथम पटल (सूत्र 21 से 40)

इकाई –3 ऋक्प्रातिशाख्य - प्रथम पटल (सूत्र 41 से 60)

इकाई – 4 तैत्तिरीयप्रातिशाख्य - प्रथमाध्याय (सूत्र 01 से 20)

इकाई –5 तैत्तिरीयप्रातिशाख्य - प्रथमाध्याय (सूत्र 21 से 40)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. ऋग्वेदप्रातिशाख्य
2. तैत्तिरीयप्रातिशाख्य
3. वैदिक साहित्य और संस्कृति : बलदेव उपाध्याय

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (द्वितीय सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VEC - 02 (iii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वेदान्त दर्शन

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वेदान्त दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वेदान्त दर्शन साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वेदान्त दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वेदान्त दर्शन साहित्य के वर्गीकरण, व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 ब्रह्मसूत्र का परिचय

इकाई –2 ईशादि दस उपनिषदों का परिचय

इकाई –3 भगवद्गीता का परिचय

इकाई – 4 वेदान्तसार - अनुबन्धचतुष्टय

इकाई –5 वेदान्तसार - महावाक्यार्थ

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. ब्रह्मसूत्र
2. ईशादिदशोपनिषद
3. भगवद्गीगा
4. वेदान्तसार : सदानन्द
5. भारतीय दर्शन : बलदेव उपाध्याय
6. भारतीय दर्शन : उमेश मिश्र

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर 2022-23

नवीन शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

SCHOOL OF STUDIES IN SANSKRIT, JYOTIRVIGYAN & VED
VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
SEMESTER - III [M.A. VEDIC STUDIES]
CBCS PATTERN

SUBJCET CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	TOTAL MARKS
	VCC-07	वेदाङ्ग एवं मीमांसा	05	5 Hrs.	60	40	100
	VCC-08	सामवेद एवम् अथर्ववेद	05	5 Hrs.	60	40	100
	VCC-09	ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद	05	5 Hrs.	60	40	100
	VEC-03	(i) वैदिक संस्कृति	05	5 Hrs.	60	40	100
	VEC-03	(ii) वेदों में विज्ञान	05	5 Hrs.	60	40	100
	VEC-03	(iii) कल्पसूत्र	05	5 Hrs.	60	40	100
	VGEC-01	(i) शुल्व सूत्र	05	4 Hrs.	60	40	100
	VGEC-01	(ii) MOOCs (SWAYAM)	04	4 Hrs.	32	48	80
	EDC-003	Personality Development	02	2 Hrs.	48	32	80
	P-03	Review Writing (Practical)	02	2 Hrs.			40
	SVV-03	Comprehensive Viva- Voce (Virtual)	01				80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE (VCC).

CORE ELECTIVE COURSE (VEC)

ABILITY ENHANCEMENT & SKILL DEVELOPMENT (AE & SD)

COMPREHENSIVE VIVA - VOCE (VVV)

नोट - 1. विषय समूह VCC - 07, VCC - 08, VCC - 09 लेना अनिवार्य है। 2. विषय समूह SEC - 03 (i), VEC - 03 (ii), VEC - 03 (iii) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है। 3. VGEC-01 (i) (ii) विषय इस अध्ययनशाला से इतर अध्ययनशालाओं के विद्यार्थी ले सकेंगे।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VCC - 07

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वेदाङ्ग एवं मीमांसा

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के व्यापक स्वरूप से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित वेदाङ्ग एवं मीमांसा आदि विषयों की महत्ता से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को वैदिक साहित्य के व्यापक स्वरूप की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित वेदाङ्ग एवं मीमांसा आदि विषयों की महत्ता की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 पाणिनीय शिक्षा (सम्पूर्ण)

इकाई – 2 पारस्करगृह्यसूत्र (प्रथमकाण्ड सम्पूर्ण)

इकाई – 3 अर्थसङ्ग्रह

(वेदविभाग, धर्मलक्षण, भावनाविचार, विधि-विमर्श, अर्थवाद)

इकाई – 4 निरुक्त (प्रथमाध्याय)

इकाई – 5 वेदाङ्ग ज्योतिष - आचार्य लगध (सामान्य परिचय)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. पाणिनीयशिक्षा : चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
2. पाणिनीयशिक्षा : अनु. मनमोहन घोष, कलकत्ता यूनिवर्सिटी
3. पाणिनीयशिक्षाः भाष्यकार आचार्य बच्चूलाल अवस्थी, हिन्दी व्याख्याकार डॉ. बालकृष्ण शर्मा, कालिदास अकादमी, उज्जैन
4. पारस्कर गृह्यसूत्र : चौखम्बा संस्कृत सिरीज, वाराणसी
5. अर्थसङ्ग्रह : डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
6. निघण्टु तथा निरुक्त (हिन्दी अनुवाद) : सत्यभूषण योगी, दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. वैदिक अध्ययन तृतीय सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र (द्वितीय) - VCC - 08 सामवेद तथा अथर्ववेद

कुल अंक 60

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामवेद तथा अथर्ववेद के साहित्य से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामवेदीय तथा अथर्ववेदीय साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी सामवेद तथा अथर्ववेद के साहित्य की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी सामवेदीय तथा अथर्ववेदीय साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई - 1 **सामवेद (कौथुम) पूर्वार्चिक, पवमान काण्ड, अध्याय - पञ्चम खण्ड - I**

इकाई - 2 **सामवेद सूक्त** - (विकल्पसहित दो मन्त्रों की व्याख्या)

अग्निसूक्त - 1.1

इकाई - 3 **अथर्ववेद सूक्त** - (विकल्पसहित दो मन्त्रों की व्याख्या)

1. मेधाजनन - 1.1
2. राष्ट्राभिवर्धन - 1.29

इकाई - 4 **अथर्ववेद सूक्त** - (विकल्पसहित दो मन्त्रों की व्याख्या)

1. साम्मनस्य - 3.30
2. काल - 19.53

इकाई - 5 **सामवेद के ब्राह्मण आरण्य तथा उपनिषद ग्रन्थों का परिचय**

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ

1. सामवेद (सम्बद्ध भाग) - सम्पा. एवं भाष्यकार श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, किल्ला पारडी, जि. बलसाड
2. अथर्ववेद (सम्बद्ध भाग) - श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, किल्ला पारडी, जि. बलसाड
3. अथर्ववेद संहिता (सायणभाष्यसहिता) - डॉ. ए.वेबर, चौखम्बा संस्कृत सिरीज, वाराणसी ।
4. नवीन वैदिक सञ्चयन (भाग -1, 2) - डॉ. जमुना पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।
5. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग 1 तथा 2) - तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
6. अथर्वकालीन संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. वैदिक सूक्त संग्रह - डॉ. गोपालकृष्ण शुक्ल, डॉ. महेन्द्र पण्ड्या, रीना पब्लिकेशन्स, उज्जैन

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (तृतीय सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VCC - 09

प्रश्नपत्र का शीर्षक – ब्राह्मण, आरण्यक एवम् उपनिषद्

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित ब्राह्मण, आरण्यक एवम् उपनिषद् ग्रन्थों मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित ब्राह्मण, आरण्यक एवम् उपनिषद् ग्रन्थों मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **शतपथ ब्राह्मण का सामान्य परिचय**
प्रमुख आरण्यकों का सामान्य परिचय
उपनिषद् का अर्थ, प्रतिपाद्य विषय तथा महत्त्व

इकाई –2 **शतपथ ब्राह्मण** 1.6.3 (1-21)
त्वष्टृपुत्र विश्वरूप की कथा (विकल्पसहित व्याख्या)

इकाई –3 **तैत्तिरीय ब्राह्मण** 1.1.2.6-13 **अग्न्याधान**
(विकल्पसहित व्याख्या)

इकाई – 4 **तैत्तिरीय आरण्यक** 2.10 **पञ्च महायज्ञ**
(विकल्पसहित व्याख्या)

इकाई –5 **श्वेताश्वतरोपनिषद्** 3.7.21 **पुरुष-स्वरूप**
(विकल्पसहित व्याख्या)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + **आन्तरिक मूल्याङ्कन** - 40 = **कुल अङ्क** = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. शतपथब्राह्मण : सम्पा. वारे शास्त्री, आनन्दाश्रम, पूना
2. तैत्तिरीयब्राह्मण : आनन्दाश्रम, पूना
3. तैत्तिरीयआरण्यक : आनन्दाश्रम, पूना
4. श्वेताश्वतरोपनिषद् : चौखम्बा संस्कृत सिरीज, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (तृतीय सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VEC - 03 (i)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वैदिक संस्कृति

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक संस्कृति के मूलभूत स्वरूप से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक संस्कृति के विविध विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक संस्कृति के विविध विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 वैदिक संस्कृति का स्वरूप
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई –2 वैदिक भूगोल तथा सामाजिक जीवन
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई –3 वैदिक अर्थव्यवस्था
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 4 वैदिक राजनीतिक व्यवस्था
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई –5 वैदिक ललितकलाएँ
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (तृतीय सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VEC - 03 (ii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वेदों में विज्ञान

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के अन्तर्गत निरूपित वैज्ञानिक विषयों के सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के अन्तर्गत निरूपित वैज्ञानिक विषयों की उपयोगिता से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के अन्तर्गत निरूपित वैज्ञानिक विषयों के सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के अन्तर्गत निरूपित वैज्ञानिक विषयों की उपयोगिता की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 वेदों में आयुर्विज्ञान

इकाई – 2 वेदों में कृषिविज्ञान

इकाई – 3 वेदों में भूगर्भविज्ञान

इकाई – 4 वेदों में ऋतुविज्ञान

इकाई – 5 वैदिक गणित

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. वैदिक समाज, संस्कृति और विज्ञान : डॉ. प्रवेश सक्सेना, जे.पी.पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. वेदों में कृषि एवं आयुर्विज्ञान : डॉ. गणेशदत्त शर्मा, उर्मिला प्रकाशन : साहिबाबाद
3. संस्कृत में विज्ञान : डॉ. विद्याधर शर्मा गुलेरी, संस्कृत भारती, नई दिल्ली
4. भारतस्य विज्ञानपरम्परा : संस्कृतभारती, नई दिल्ली

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम्.ए. (तृतीय सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VEC - 03 (iii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – कल्पसूत्र

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक कल्पसूत्र-साहित्य के व्यापक स्वरूप से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक कल्पसूत्र-साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक कल्पसूत्र-साहित्य के व्यापक स्वरूप की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक कल्पसूत्र-साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **वेदानुसार कल्पसूत्रों का स्वरूप, परिचय, भेद, महत्त्व एवं वर्गीकरण**

इकाई –2 **कात्यायन श्रौतसूत्र - प्रथमाध्याय**
(प्रारम्भ से नित्यकर्म प्रतिनिधिविचार पर्यन्त)

इकाई –3 **कात्यायन श्रौतसूत्र - प्रथमाध्याय**
(काम्यकर्म प्रतिनिधिविचार से समाप्ति पर्यन्त)

इकाई – 4 पारस्कर गृह्यसूत्र
(प्रथम काण्ड- चतुर्थ कण्डिका - 11 कण्डिका पर्यन्त)

इकाई –5 गौतमधर्मसूत्र
(प्रथमप्रश्न का तृतीय अध्याय)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. कात्यायन श्रौतसूत्र - लक्ष्मीश्वर झा, चौखम्बा ओरियण्टालिया, दिल्ली
2. कात्यायन श्रौतसूत्र - विद्याधर गौड, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
3. पारस्कर गृह्यसूत्र - चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
4. गौतम धर्मसूत्र - उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (तृतीय सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VGEC - 01 (i)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – शुल्ब सूत्र

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक शुल्बसूत्र साहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक शुल्बसूत्र साहित्य के वर्गीकरण,वैज्ञानिकता तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को वैदिक शुल्बसूत्र साहित्य के मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक शुल्बसूत्र साहित्य के वर्गीकरण, वैज्ञानिकता तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 शुल्बसूत्रम् : प्रथमा कण्डिका

इकाई – 2 शुल्बसूत्रम् : द्वितीया कण्डिका

इकाई – 3 शुल्बसूत्रम् : तृतीया कण्डिका

इकाई – 4 शुल्बसूत्रम् : चतुर्थी कण्डिका

इकाई – 5 शुल्बसूत्रम् : पञ्चमी कण्डिका

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. शुल्बसूत्रम् : महर्षि कात्यायन
2. वैदिक साहित्य और संस्कृति : बलदेव उपाध्याय
3. वैदिक साहित्य और संस्कृति : वाचस्पति गैरोला

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

पाठ्यक्रम

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2022-23

नवीन शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

SCHOOL OF STUDIES IN SANSKRIT, JYOTIRVIGYAN & VED
VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN
SEMESTER - IV [M.A. VEDIC STUDIES]
CBCS PATTERN

SUBJCET CODE	COURSE CODE	TITLE OF THE COURSE	COURSE CREDITS	NO. OF HRS PER WEEK	WEIGHTAGE FOR SEMESTER END EXAMINATION	WEIGHTAGE FOR INTERNAL EXAMINATION	TOTAL MARKS
	VCC-10	वेदाङ्ग एवं मीमांसा	05	5 Hrs.	60	40	100
	VCC-11	सामवेद एवम् अथर्ववेद	05	5 Hrs.	60	40	100
	VCC-12	ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद्	05	5 Hrs.	60	40	100
	VEC-04	(i) स्मार्तानुप्रयोग	05	5 Hrs.	60	40	100
	VEC-04	(ii) वैदिक आख्यान	05	5 Hrs.	60	40	100
	VEC-04	(iii) वेदों में यज्ञ	05	5 Hrs.	60	40	100
	VGEC-02	(i) वेदशाखाविचार	04	4 Hrs.	32	48	80
	VGEC-02	(ii) MOOCs (SWAYAM)	04	4 Hrs.	32	48	80
	EDC-04	Tourism Management	04	2 Hrs.	48	32	80
	P-04	Institutional Visit (Practical)	2	2 Hrs.			40
	VVV-04	Comprehensive Viva- Voce (Virtual)	4				80
		TOTAL	30				600

Note :

CORE COURSE (VCC).

ABILITY ENHANCEMENT & SKILL DEVELOPMENT (AE & SD)

CORE ELECTIVE COURSE (VEC)

COMPREHENSIVE VIVA - VOCE (VVV)

नोट - १. विषय समूह VCC - 10, VCC - 11, VCC - 12 लेना अनिवार्य है। २. विषय समूह VEC - 04 (i), VEC - 04 (ii), VEC - 04 (iii) में से छात्र किसी एक विषय का चयन कर सकता है। 3. VGEC-02 (i) (ii) विषय इस अध्ययनशाला से इतर अध्ययनशालाओं के विद्यार्थी ले सकेंगे।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VCC - 10

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वेदाङ्ग एवं मीमांसा

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के व्यापक स्वरूप से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित वेदाङ्ग एवं मीमांसा आदि विषयों की महत्ता से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण के सिद्धान्तों सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के वर्गीकरण, भाष्य परम्परा ,वैदिकयागों के स्वरूप तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 याज्ञवल्क्यशिक्षा (सम्पूर्ण)

इकाई – 2 अष्टाध्यायी - पाणिनि (सामान्यपरिचय)

इकाई – 3 निरुक्त - यास्क (द्वितीयाध्याय)

इकाई – 4 छन्दःसूत्र - पिङ्गल (सामान्य परिचय)

इकाई – 5 मीमांसापरिभाषा (सम्पूर्ण)

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. याज्ञवल्क्यशिक्षा - चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
2. अष्टाध्यायी - चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. व्याकरणशास्त्र का इतिहास - युधिष्ठिर मीमांसक
4. निघण्टु तथा निरुक्त (हिन्दी अनुवाद) - सत्यभूषण योगी, दिल्ली
5. हिन्दी निरुक्त - कपिलदेवशास्त्री तथा श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्य भण्डार, मेरठ
6. छन्दःसूत्र - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. मीमांसाशास्त्र का इतिहास - डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत सिरीज, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. वैदिक अध्ययन चतुर्थ सेमेस्टर

CBCS PATTERN

सत्र - 2022-23 प्रश्न-पत्र (द्वितीय) - VCC - 11 सामवेद तथा अथर्ववेद

कुल अंक 60

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामवेद तथा अथर्ववेद के साहित्य से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सामवेदीय तथा अथर्ववेदीय साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी सामवेद तथा अथर्ववेद के साहित्य की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी सामवेदीय तथा अथर्ववेदीय साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई - 1	**सामवेद (कौथुम) पूर्वार्चिक, पवमान काण्ड, अध्याय - पञ्चम खण्ड - II**
इकाई - 2	**अथर्ववेद सूक्त** - (विकल्पसहित दो मन्त्रों की व्याख्या) स्वराज्ये राज्ञः पुनः स्थापनम् 3.3
इकाई - 3	**अथर्ववेद सूक्त** - (विकल्पसहित दो मन्त्रों की व्याख्या) पृथिवीसूक्त - 12.1-20
इकाई - 4	**वैदिकस्वर प्रक्रिया, वैदिक तथा लौकिक संस्कृत में अन्तर**
इकाई - 5	**अथर्ववेद के ब्राह्मण आरण्यक तथा उपनिषद ग्रन्थों का परिचय**

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित ग्रन्थ

1. सामवेद (सम्बद्ध भाग) - सम्पा. एवं भाष्यकार श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, किल्ला पारडी, जि. बलसाड
2. अथर्ववेद (सम्बद्ध भाग) - श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, किल्ला पारडी, जि. बलसाड
3. अथर्ववेद संहिता (सायणभाष्यसहिता) - डॉ. ए.वेबर, चौखम्बा संस्कृत सिरीज, वाराणसी ।
4. नवीन वैदिक सञ्चयन (भाग -1, 2) - डॉ. जमुना पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।
5. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग 1 तथा 2) - तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
6. अथर्वकालीन संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. वैदिक सूक्त संग्रह - डॉ. गोपालकृष्ण शुक्ल, डॉ. महेन्द्र पण्ड्या, रीना पब्लिकेशन्स, उज्जैन

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VCC - 12

प्रश्नपत्र का शीर्षक – ब्राह्मण, आरण्यक एवम् उपनिषद्

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित ब्राह्मण, आरण्यक एवम् उपनिषद् ग्रन्थों मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के अन्तर्गत परिगणित ब्राह्मण, आरण्यक एवम् उपनिषद् ग्रन्थों मूलभूत सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के वर्गीकरण तथा व्याख्यापद्धति आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **शतपथब्राह्मण** (वाक्-मनस्-संवाद 1.4.5.8-13)

इकाई –2 ब्राह्मणग्रन्थों का सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन

इकाई –3 ऐतरेय आरण्यक - 2.1.7 पुरुष - विभूति

इकाई – 4 बृहदारण्यकोपनिषद् - 2.4 आत्मतत्त्व विवेचन

इकाई –5 उपनिषदों के प्रमुख सिद्धान्त

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. शतपथब्राह्मण - सम्पा. वारे शास्त्री, आनन्दाश्रम, पूना
2. ऐतरेय आरण्यक - आनन्दाश्रम, पूणे
3. बृहदारण्यकोपनिषद् - चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
4. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग 1 तथा 2) – तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली तथा वाराणसी
5. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - आचार्य बलदेव उपाध्याय

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VEC - 04 (i)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – स्मार्तानुप्रयोग

कुल अङ्क 60 (**क्रेडिट** 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्मार्तानुप्रयोग के स्वरूप तथा प्रायोगिक सिद्धान्तों से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्मार्त अनुष्ठान, संस्कार तथा याग आदि के स्वरूप तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी स्मार्तानुप्रयोग के स्वरूप तथा प्रायोगिक सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी स्मार्त अनुष्ठान, संस्कार तथा याग आदि के स्वरूप तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **पारस्करगृह्यसूत्र - प्रथमकाण्ड** (1 - 3 कण्डिका)
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **धर्मसिन्धु - प्रथमपरिच्छेद**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **भगवन्तभास्कर - आचारमयूख** (परिभाषा)
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **भगवन्तभास्कर - संस्कारमयूख (निबन्धोपयोगी विचार तथा संस्कारोद्देश)**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **आह्निकसूत्रावलि - ब्रह्मकर्मविचार**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. **पारस्करगृह्यसूत्र - चौखम्बासुरभारती, वाराणसी**
2. **धर्मसिन्धु - खेमराज कृष्णदास वेङ्कटेश्वर प्रेस, बम्बई**

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VEC - 04 (ii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वैदिक आख्यान

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक आख्यानों की अवधारणा से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक आख्यानों के स्वरूप तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक आख्यानों की अवधारणा की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक आख्यानों के स्वरूप तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **वैदिक आख्यानों का स्वरूप, परिचय एवं महत्त्व**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 2 प्रमुख आख्यान सूक्तों का अध्ययन - पुरूरवा-उर्वशी संवाद तथा यम-यमी संवाद
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **प्रमुख आख्यान सूक्तों का अध्ययन - सरमा-पणि संवाद तथा विश्वामित्र-नदी संवाद**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **शुनःशेप आख्यान तथा वाङ्मनस् संवाद**
विकल्प सहित व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **वैदिक आख्यानों का संस्कृत साहित्य पर प्रभाव**
विकल्प सहित समालोचनात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. वैदिक साहित्य का इतिहास - डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. ए वैदिक सिलेक्शन - चौबे एण्ड नैल्ड, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VEC - 04 (iii)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वेदों में यज्ञ

कुल अङ्क 60 (क्रेडिट 05)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक यज्ञों की अवधारणा से परिचित कराना है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिकयागों के स्वरूप तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक यज्ञों की अवधारणा की व्याख्या कर सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिकयागों के स्वरूप तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।

इकाई – 1 **वैदिक यज्ञ का स्वरूप एवं प्रकार**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **प्रमुख श्रौत यागों का परिचय**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **प्रमुख स्मार्त यागों का परिचय**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **यज्ञवेदी निर्माण तथा यज्ञपात्र परिचय**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **वैदिक यज्ञों का महत्त्व एवं वैज्ञानिकता**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 60 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 40 = कुल अङ्क = 100

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. वैदिक यज्ञ परिचय - पं. वेणीराम शर्मा गौड, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. कुण्डमण्डपसिद्धि - वायुनन्दन मिश्र, ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी
3. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. वैदिक साहित्य का इतिहास - डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

पाठ्यक्रम एम.ए. (चतुर्थ सेमेस्टर) वैदिक अध्ययन

CBCS PATTERN

सत्र – 2021-22 प्रश्नपत्र - VGEC - 04 (i)

प्रश्नपत्र का शीर्षक – वेदशाखाविचार

कुल अङ्क 32 (क्रेडिट 04)

Course objectives :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वेदशाखाओं की अवधारणा से परिचित कराना है ।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक शाखाओं के स्वरूप तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है ।

Course outcomes :

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वेदशाखाओं की अवधारणा की व्याख्या कर सकेंगे ।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक शाखाओं के स्वरूप तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे ।

इकाई – 1 **वेदशाखा परिचय एवं महत्त्व**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 2 **कात्यायनकृत - चरणव्यूह (ऋग्वेद खण्ड)**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 3 **कात्यायनकृत - चरणव्यूह (यजुर्वेद खण्ड)**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **कात्यायनकृत - चरणव्यूह (सामवेद खण्ड)**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई – 5 **कात्यायनकृत - चरणव्यूह (अथर्ववेद खण्ड तथा चतुर्वेद फलश्रुति खण्ड)**
विकल्प सहित समीक्षात्मक प्रश्न

सैद्धान्तिक मूल्याङ्कन - 32 + आन्तरिक मूल्याङ्कन - 48= कुल अङ्क = 80

अनुशंसित-ग्रन्थ –

1. वैदिक साहित्य तथा संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. वेदशाखापर्यालोचनम् - चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी